Publication	Charchit Duniya
Date	23rd September, 2015
Page No.	05
Edition	New Delhi

जेएसपीएल फाउंडेशन ने लांच किया राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान

नई दिल्ली, २२ सितंबर (कैलाश गुप्ता)। 'माउंटेन मैन' के नाम से मशहूर दशरथ मांझी गांव में रहने वाले मजदूर थे जिन्होंने केवल छेनी-हथौड़ा लेकर २२ सालों की कड़ी कोशिशों के बाद एक पहाड़ काट कर रास्ता बना दिया। आज दशरथ मांझी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी कहानी जिंदा है। दु:साहस और दृढ़ संकल्प का यह एक मशहूर उदाहरण है। हालांकि देश में और भी दशरथ मांझी हैं जिन्होंने अपने गांवों-शहरों में अपनी एक पहचान कायम की है और उनकी कहानियों से दुनिया अनजान है। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों के अन्तर्गत ऐसे ही लोगों की कहानियों को प्रकाश में लाने और ऐसे अदम्य साहसी लोगों को सम्मानित करने के लिए जेएसपीएल फाउंडेशन ने एक अभूतपूर्व पुरस्कार राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान की स्थापना की है। राष्ट्रीय स्वयंसिद्ध सम्मान जमीनी स्तर के उन लोगों को सम्मानित करेगा जिन्होंने अपने अनुकरणीय साहस, प्रतिबद्धता और आत्म विश्वास के बल पर जीवन की विपरीत परिस्थितियों को पार कर अपनी खुद की विशिष्ट पहचान बनाई।

ये पुरस्कार १० श्रेणियों में दिए जाएंगे : महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता (स्टार्ट-अप), शिक्षा, कृषि/ग्रामीण विकास, जन सेवा/ समाज सेवा, कला व शिल्प (प्राचीन विरासत/ग्रामीण शिल्प), आजीविका/ व्यावसायिक कौशल, स्वास्थ्य, आविष्कार/ तकनोलॉजी (विज्ञान से संबंधित) तथा पर्यावरण।

१० पुरस्कार व्यक्तियों को दिए जाएंगे तथा १० पुरस्कार संगठनों को दिए जाएंगे। प्रत्येक विजेता को एक प्रमाणपत्र तथा १.० लाख का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

नई दिल्ली में मंगलवार को कांस्टीट्यूशन क्लब में राष्ट्रीय स्वयं सिद्धा सम्मान का लोगो जारी करते जेएस पीएलके चेयर पर्सन शालू जिंदल और अन्य। (फोटो : गणेश बिष्ट)